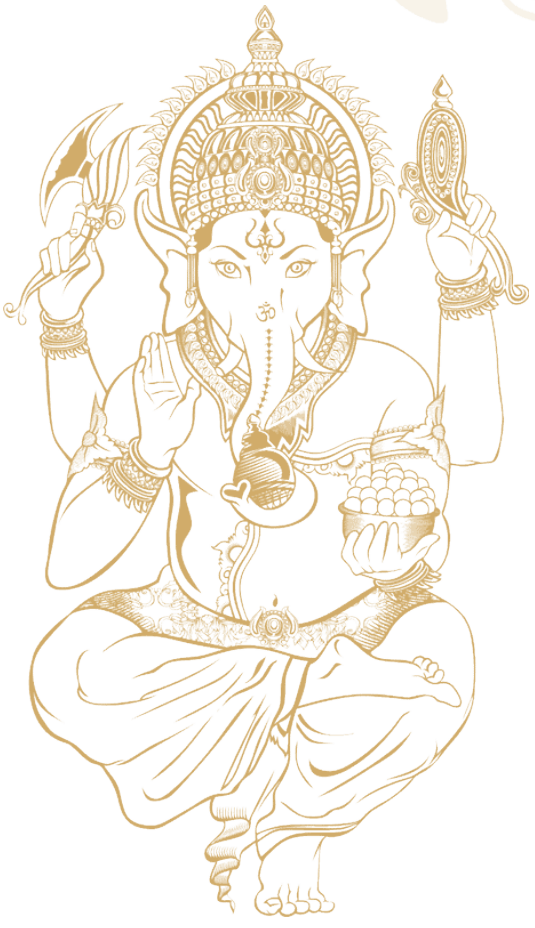

# Avinash

# Madhuri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119969603

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 2-03/07/1995 | जन्म तिथि | 02/12/1996 |
| रवि-सोमवार | दिन | सोमवार |
| घंटे 05:00:00 | जन्म समय | 23:45:00 घंटे |
| घटी 58:28:28 | जन्म समय(घटी) | 41:53:51 घटी |
| India | देश | India |
| Jaipur | स्थान | Ahmedabad |
| 26:53:00 उत्तर | अक्षांश | 23:03:00 उत्तर |
| 75:50:00 पूर्व | रेखांश | 72:40:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:26:40 | स्थानिक संस्कार | -00:39:20 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:36:36 | सूर्योदय | 07:04:37 |
| 19:24:23 | सूर्यास्त | 17:53:07 |
| 23:47:49 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:48:51 |

| विंशोत्तरी | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी |
|---|---|---|---|---|---|---|
| केतु 0वर्ष 5मा 19दि | 07:37:50 | मिथु | लग्न | सिंह | 07:13:00 | केतु 0वर्ष 7मा 16दि |
| चन्द्र | 16:48:47 | मिथु | सूर्य | वृश्चि | 17:02:31 | चन्द्र |
| 21/12/2021 | 12:26:09 | सिंह | चंद्र | सिंह | 12:08:17 | 20/07/2023 |
| 22/12/2031 | 25:39:50 | सिंह | मंगल | सिंह | 23:28:42 | 20/07/2033 |
| चन्द्र 22/10/2022 | 25:19:19 | वृष | बुध | धनु | 03:33:08 | चन्द्र 20/05/2024 |
| मंगल 23/05/2023 | 13:08:01 | वृश्चि व | गुरु | धनु | 24:53:03 | मंगल 19/12/2024 |
| राहु 21/11/2024 | 03:23:38 | मिथु | शुक्र | तुला | 18:10:47 | राहु 19/06/2026 |
| गुरु 23/03/2026 | 00:56:45 | मीन | शनि व | मीन | 06:47:43 | गुरु 19/10/2027 |
| शनि 22/10/2027 | 09:03:54 | तुला व | राहु व | कन्या | 11:45:09 | शनि 20/05/2029 |
| बुध 22/03/2029 | 09:03:54 | मेष व | केतु व | मीन | 11:45:09 | बुध 19/10/2030 |
| केतु 21/10/2029 | 05:25:55 | मक व | हर्ष | मक | 08:00:44 | केतु 20/05/2031 |
| शुक्र 22/06/2031 | 00:44:44 | मक व | नेप | मक | 02:02:15 | शुक्र 18/01/2033 |
| सूर्य 22/12/2031 | 04:22:20 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 09:29:15 | सूर्य 20/07/2033 |

## लग्न-चलित

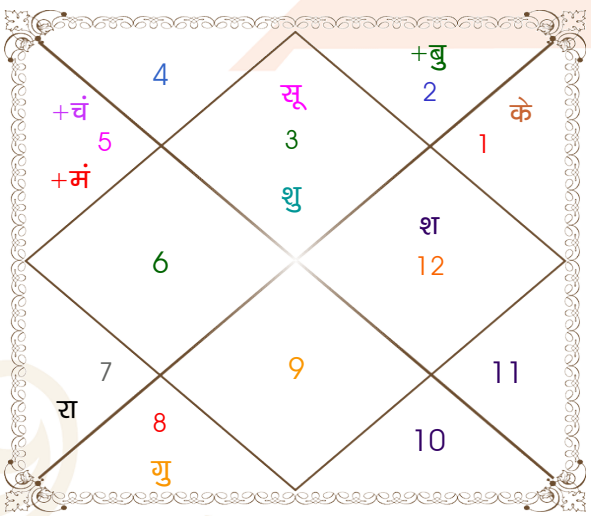


## लग्न-चलित

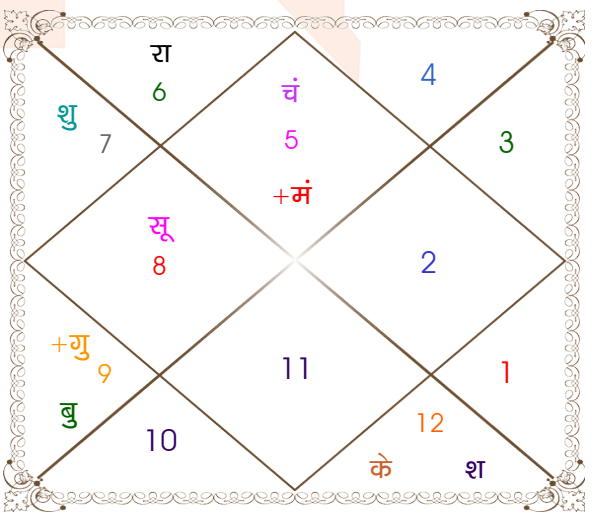

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | क्षत्रिय | क्षत्रिय | 1 | 1.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | वनचर | वनचर | 2 | 2.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | जन्म | जन्म | 3 | 3.00 | -- | भाग्य |
| योनि | मूषक | मूषक | 4 | 4.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | सूर्य | सूर्य | 5 | 5.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | राक्षस | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | सिंह | सिंह | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | अन्त्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 28.00 | | |

।अपर्दी का वर्ग मूषक है तथा डंकीनतप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है। अष्टकूट मिलान के अनुसार ।अपर्दी और डंकीनतप का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

।अपर्दी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

डंकीनतप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र डंकीनतप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**
**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।अपर्दी कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।अपर्दी तथा डंकीनतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।